सुविधा 'नवभारत' से बातचीत में बोलीं मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिड़े

मेट्रो-3 बनेगी अब मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन

कोस्टल रोड प्रोजेक्ट में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

■ प्रिया पांडे @ नवभारत.

मुंबई. मेट्रो 3 के पहले चरण का काम लगभग पूरा होने की कगार पर है. जल्द ही इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा. मुंबई का यह पहला अंडरग्राउंड मेट्रो है, जो मुंबईकरों को अविस्मरणीय सफर प्रदान करेगा और ट्रैफिक भी कम करेगा. अगर इस प्रोजेक्ट की सफलता की बात करें, तो इसका श्रेय मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिड़े को जाता है. क्योंकि उनके नेतृत्व में यह काम पूरा किया जा रहा है. प्रमुख प्रोजेक्ट के प्रति उनका मैनेजमेंट उनके कौशल को दर्शाता है और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति का संकेत देता है. सिर्फ मेट्रो 3 ही नहीं, बल्कि उन्होंने मुंबई के कोस्टल रोड प्रोजेक्ट में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इसलिए वह अब 'इंफ्रा वीमेन' के नाम से जानी जाती है.

- मेट्रो 3 का एकीकृत परीक्षण रन शुरू हो गया है. बीकेसी से आरे के बीच किए जा रहे ट्रायल रन के दौरान रोलिंग स्टॉक (कोच), सिग्नल टेलीकॉम, ट्रैक ट्रैक्शन आदि जैसी विभिन्न प्रणालियों को मान्य किया जा रहा है.
- स्टेशन लाइन 3 के सबसे लंबे स्टेशनों में से एक है BKC
- मेट्रो 3 में मोबाइल इन्फ्रा सेवा प्रदान करेगा एसीईएस
- फेज 1 (आरे - बीकेसी) - जल्द होगा शुरू
- फेज 2 (बीकेसी- कफ परेड) - तेज गति से चल रहा काम

एमएमआरसी नेवी नगर तक लाइन 3 के दक्षिणी विस्तार पर भी काम कर रहा है, जो लगभग 2.5 किमी टीआईएफआर के पास है. फिलहाल इस विस्तार का कार्य डीपीआर चरण में है.

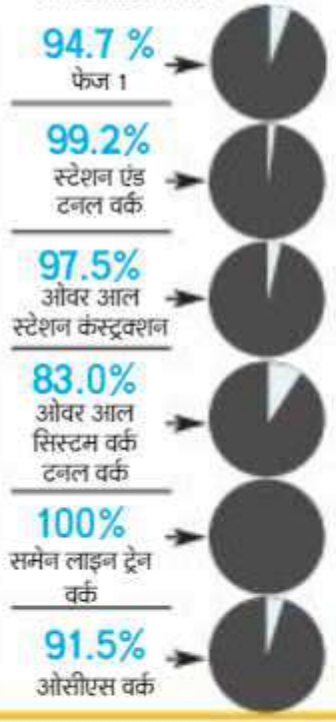

उत्तरी उपनगरों को आईलैंड सिटी से जोड़ती है मेट्रो-3

भिड़े ने बताया कि यह कॉरिडोर एकमात्र ऐसा कॉरिडोर है, जो उत्तरी उपनगरों को आईलैंड सिटी से जोड़ता है. यह प्रोजेक्ट पूरे शहर में रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा और स्वास्थ्य केंद्रों को सुरक्षित, अधिक आरामदायक और आधुनिक कनेक्टिविटी प्रदान करने का वादा करती है. बता दें कि मुंबई मेट्रो लाइन-3 कोलाबा से बांद्रा से सीप्ज तक 33.5 किलोमीटर अंडरग्राउंड मेट्रो है. इसमें 27 प्रमुख स्टेशन शामिल है, जिसमे से 26 अंडरग्राउंड है और 1 एलिवेटेड है.

हर दिन पूरी लाइन शुरू होने पर 17 लाख यात्री करेंगे प्रवास

: भिड़े ने कहा कि एक बार पूरी तरह से चालू होने पर आरे से कफ परेड तक फैली पूरी एक्वा लाइन पर हर दिन 17 लाख यात्रियों प्रवास करेंगे. एक समय में लगभग 2500 यात्री प्रवास करेंगे और कैचमेंट में 10 लाख लोग रहेंगे. इस लाइन के सहित कमर्शियल कार्यालय और कार्य केंद्रित सीबीडी को कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ा जाएगा. इन इलाकों में लोगों की आवाजाही ज्यादा है. यही कारण है कि लाइन 3 का मुंबईकरों के आवागमन के जीवन पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा. यह मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन बनेगी. आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है. अगर महिलाओं की बात करें, तो उनके सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है.

मेट्रो 3 के निर्माण में क्या रही चुनौतियां? : अश्विनी भिड़े ने कहा कि मेट्रो 3 मुंबई में ट्रैफिक कम करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. अगर इसके निर्माण की बात करें, तो उस दौरान आने वाली चुनौतियां विविध और जटिल थीं, जिनमें भूमि का अधिग्रहण, हेरिटेज बिल्डिंगों के निचे टनल, उपयोगिताओं को स्थानांतरित करना, वाटर बॉडी के नीचे टनल का काम और ट्रैफिक मैनेजमेंट शामिल था. लेकिन अगर पीएपी (परियोजना प्रभावित लोगों) की बात करें, तो प्रभावित लोगों का पुनर्वास सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण काम था. क्योंकि वे पूरी प्रक्रिया को लेकर डाउटफुल थे. एमएमआरसी ने पीएपी के बीच विश्वास पैदा करने के लिए कई परामर्श बैठक की और उनकी सहमति प्राप्त करने के लिए कई प्रयास किए गए. इसके अलावा हमें अदालती मामलों से भी सावधानीपूर्वक से निपटना पड़ा.